राज एक्सप्रेस
(14.10.2014)

रेप पीड़िता इलाज के लिए भटकती रही 9 घंटे

इंदौर। निर्भया हेल्पलाइन सर्वप्रथम प्रदेश में बनाने की बात को कही जा रही है। एक ऐसी महिला, जिसे गंभीर हालत में सोमवार तड़के उसके परिजन एमवायएच लेकर पहुंचे, तो उसे दोपहर 2 बजे तक इलाज नसीब नहीं हुआ। परिजन तो दूर, साथ में आए पुलिसवालों के भी पसीने छूट गए। अभा (परिवर्तित नाम) (20 वर्ष) निवासी सराई पिछले दिनों घर से गायब हो गई थी। शनिवार को वह धामनोद में एक पुलिसकर्मी को गंभीर अवस्था में मिली। इसके सिर, चेहरे और गर्दन पर चाकू और अन्य घाव थे। अभा की हालत बिगड़ती जा रही है, दर्द से वह तड़प रही है, लेकिन दोपहर 12 बजे तक कोई इलाज नहीं हुआ। इसलिए हम अभा को निजी अस्पताल ले जाना चाहते हैं।

राज एक्सप्रेस
(14.10.2014)

रतनजोत बीज खाने से एक दर्जन बच्चे हुए थे बीमार, चिकित्सक रहे लापरवाह

इलाज के लिए तड़पते रहे बच्चे

सागर ■ राज न्यूज नेटवर्क

रतनजोत बीज खाने से बीमार हुए करीब 1 दर्जन बच्चे शासकीय डफरिन अस्पताल में इलाज के लिए तड़फते रहे। ड्यूटीरत बेपरवाह चिकित्सक का इस तरफ कोई ध्यान नहीं गया। बीमार बच्चे चक्कर खाकर गिर रहे थे। उल्टी जारी थी लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। इतनी गंभीर लापरवाही करने वाले चिकित्सकों को लेकर अब तो यह कहा जाने लगा है कि उन्हें अब किसी का भय नहीं रहा है। बंडा ब्लॉक के ग्राम औडाहो के 3 आदिवासी परिवारों के करीब 1 दर्जन बच्चों ने उस समय रतनजोत के बीज खा लिए जब उनके मां बाप मजदूरी के लिए गए थे।

नहीं पहुंचे डॉक्टर: सीहोरा के ग्राम बेरखेरी सड़क में मजदूरी करने आए इन आदिवासी परिवारों के बच्चों द्वारा रतनजोत के बीज खाने के बाद शाम 7 बजे

शासकीय डफरिन अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। बीज खाने से बीमार पार्वती आदिवासी (6), रतिबाई आदिवासी (8), रामकिशन आदिवासी (8), यशपाल आदिवासी (7), मीरा आदिवासी (5) सहित अन्य बच्चे 1 घंटे इलाज के लिए तड़फते रहे लेकिन उनकी तकलीफ देखने कोई भी चिकित्सक नहीं पहुंचा।